उपेक्षा | बिखरे पड़े अवशेष आज भी इसके गौरवशाली अतीत की कहानी स्वयं बयान करते है

कोणार्क की तर्ज पर बना शहडोल का ऐतिहासिक सूर्य मंदिर

नवभारत, शहडोल। मध्यप्रदेश की धरती पर इतिहास और आस्था के ऐसे-ऐसे अद्भुत प्रमाण मौजूद हैं, जिनकी भव्यता आज भी विस्मित करती है। शहडोल जिले के रोहनिया गांव में स्थित कलचुरी कालीन सूर्य मंदिर भी उन्हीं अनमोल धरोहरों में से एक है, जिसका निर्माण कोणार्क सूर्य मंदिर की स्थापत्य विधा पर कराया गया था। भले ही आज यह मंदिर खंडहर में तब्दील हो चुका हो, लेकिन बिखरे पड़े इसके अवशेष आज भी इसके गौरवशाली अतीत की कहानी स्वयं बयान करते हैं।

रोहनिया का अद्भुत सूर्य मंदिर

शहडोल जिला मुख्यालय से लगभग 10द्15 किलोमीटर दूर, प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे रोहनिया गांव में यह पुरातात्विक सूर्य मंदिर स्थित है। यहां चारों ओर मंदिर के खंडित अवशेष, मूर्तियां और स्थापत्य के बहुमूल्य प्रमाण बिखरे पड़े हैं। मूल मंदिर अब ध्वस्त हो चुका है, जबकि एक छोटे कक्ष में कलचुरी कालीन सूर्य प्रतिमा सहित अन्य महत्वपूर्ण मूर्तियां सुरक्षित रखी गई हैं। खुले में पड़े शेष अवशेषों का लगातार क्षरण हो रहा है, जो संरक्षण की गंभीर आवश्यकता की ओर संकेत करता है।

पुरातात्विक सर्वे में हुआ था खुलासा

पुरातत्वविद रामनाथ परमार के अनुसार, रीवा मार्ग पर सोन नदी के पहले बसे रोहनिया क्षेत्र में पुरातात्विक सर्वेक्षण के दौरान एक टूटा-फूटा सूर्य मंदिर मिला। यहां सूर्य की स्थानक प्रतिमा प्राप्त हुई, जो लगभग एक मीटर से अधिक ऊंची और अत्यंत विशिष्ट है। स्थानीय लोग इसे देवी स्वरूप मानकर पूजते रहे हैं। रामनाथ परमार बताते हैं कि कलचुरी शासकों ने इस स्थान का चयन भौगोलिक और खगोलीय दृष्टि से किया था। मंदिर स्थल से कर्क रेखा गुजरती है और सामने सोन नदी का अद्भुत प्रवाह है, जो यहां कुछ दूरी तक दिशा परिवर्तन करती है। ऊंचा स्थल, नदी का बहाव और खगोलीय संयोग सभी विशेषताएं ओडिशा के कोणार्क सूर्य मंदिर की स्थापत्य अवधारणा से मेल खाती हैं। इन्हीं कारणों से कलचुरी राजवंश ने यहां सूर्य मंदिर की स्थापना कराई।

संरक्षण की दरकार

हालांकि समय, प्राकृतिक आपदाओं या मानवीय हस्तक्षेप के कारण यह मंदिर खंडित हो गया, लेकिन इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर कोई आंच नहीं आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थल न केवल शहडोल बल्कि पूरे मध्य भारत की महत्वपूर्ण पुरातात्विक धरोहर है, जिसे तत्काल संरक्षण और शोध की आवश्यकता है। आज रोहनिया का सूर्य मंदिर अपने पुनरुद्धार की प्रतीक्षा कर रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां कलचुरी राजवंश की इस अद्भुत स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें।

9वीं-10वीं शताब्दी की अमूल्य धरोहर

इतिहासकारों के अनुसार, 9वीं-10वीं शताब्दी में कलचुरी शासकों ने पंचदेवों में शामिल सूर्य देव की उपासना हेतु इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। मंदिर में स्थापित सूर्य की स्थानक प्रतिमा, सात घोड़ों से युक्त रथ पर विराजमान सूर्य देव के स्वरूप को दर्शाती है, जो इसे और भी विशिष्ट बनाती है।

जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ

नवभारत, शहडोल । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में खेल प्रतिभाओ को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने व उनकी प्रतिभा को निखारने के उददेश्य से जिले में खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। एमपी यूथ गेम्स में खिलाड़ी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहें है। संभागीय मुख्यालय शहडोल के महात्मा गांधी स्टेडियम में जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ के अवसर पर प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान ने खेलो एमपी यूथ प्रतियोगिता के खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ प्रतियोगिता के तहत एथलेटिक्स, खो-खो, रस्साकसी, कबड्डी, पिट्ठू, वालीबॉल, बास्केटबॉल, टेबिल टेनिस, बॉक्सिंग,शतरंज जैसे अन्य प्रतियेगिता में जिलेभर के लगभग 912 खिलाड़ियो ने अपनी-अपनी विधाओ का प्रदर्शन किया। जिसमें सोहागपुर के 400, ब्यौहारी के 147, गोहपारू के 55, जयसिंहनगर के 130 एवं बुढार ब्लाक के 180 खिलाडी शामिल रहें।संभाग स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स संभाग प्रतियोगिता 21 जनवरी को प्रात: 10 बजे से आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर अल्ट्राटेक कोल माइंस के महाप्रबंधक सैयद कादरी, समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग श्री अजय सोंधिया सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।

नगरपालिका के कूड़ादान खुद बने कूड़ा

सिविल कोर्ट के सामने गंदगी का अंबार

▸ नगर पालिका बेपरवाह

नवभारत, शहडोल। स्वच्छ भारत अभियान के ढ़ोल पीटने वाले प्रशासन की असल तस्वीर शहडोल जिला मुख्यालय में साफ देखी जा सकती है। शहर के अति संवेदनशील और प्रतिष्ठित क्षेत्र सिविल कोर्ट (व्यवहार न्यायालय) के ठीक सामने बीते कई दिनों से कचरे का पहाड़ खड़ा है, लेकिन जिम्मेदार अफ़सरों की नींद अब तक नहीं टूटी। प्लास्टिक, थर्माकोल, गीला-सूखा कचरा और सड़ा-गला अपशिष्ट खुले में फैला हुआ है। बदबू से पूरा इलाका त्रस्त है। हैरानी की बात यह है कि जहाँ रोज़ कानून, संविधान और न्याय की दुहाई दी जाती है, उसी जगह प्रशासन ने गंदगी का अड्डा बना दिया है। यह नज़ारा नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सीधा तमाचा है। इस कचरे के ढेर पर रोज़ाना बेसहारा मवेशी पहुंच रहे हैं और भूख के कारण प्लास्टिक व थर्माकोल जैसे जानलेवा पदार्थ निगल रहे हैं। कई मवेशियों की जान पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन न तो पशु प्रेमियों को चिंता है और न ही प्रशासन को।

वकील-फरियादी दुर्गंध से त्रस्त बेजुबानों की जान जोखिम में

सिविल कोर्ट आने वाले वकील, न्यायिक कर्मचारी, फरियादी और आम नागरिक बदबू और गंदगी में आने को मजबूर हैं। खुले कचरे से संक्रमण, डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि सड़क तक फैली गंदगी के कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यह कचरा कई दिनों से पड़ा है, लेकिन नगर पालिका का स्वच्छता अमला या तो नदारद है या जानबूझकर आंख मूंदे बैठा है। सवाल उठता है कि क्या नगर पालिका किसी बड़ी बीमारी या हादसे का इंतजार कर रही है। जनता ने प्रशासन से तत्काल कचरा हटाने, यहां स्थायी सफाई व्यवस्था लागू करने और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। यदि न्याय के मंदिर के बाहर ही गंदगी का राज होगा, तो फिर स्वच्छ शहर और जिम्मेदार प्रशासन के दावे आखिर किसके लिए हैं?

दपूमरे मजदूर संघ का दो दिवसीय आवासीय अभ्यास वर्ग आयोजित

नवभारत, शहडोल। भारतीय रेलवे मजदूर संघ की एक निर्णायक पहल के अंतर्गत देश के सभी जोनों में अभ्यास वर्ग आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में दिनांक 17 एवं 18 जनवरी 2026 को रायपुर के समता कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल में दो दिवसीय अभ्यास वर्ग का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास वर्ग की अध्यक्षता कमलेश सिंह, अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ ने की।

कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय रेलवे मजदूर संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से: बी.सुरेंद्रन, संगठन महामंत्री, भारतीय मजदूर संघ, अशोक शुक्ला, रेल प्रभारी एवं मंत्री अखिल भारतीय मजदूर संघ, संतोष पटेल, राष्ट्रीय महामंत्री, भारतीय रेलवे मजदूर संघ, दिनेश पांडे महामंत्री, भारतीय मजदूर संघ, छत्तीसगढ़ प्रदेश, मंगेश देशपांडे कार्यकारिणी सदस्य, भारतीय रेलवे मजदूर संघ एवं प्रभारी अभ्यास वर्ग, परमेश्वर कन्नौजे, जिला महामंत्री, रायपुर, भारतीय मजदूर संघ, बाबूराव टाटा, आई.टी. प्रभारी, भारतीय मजदूर संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश एवं मंडल अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, रायपुर, कोमल साहू, कार्यकारी अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ एवं विभाग प्रमुख, भारतीय मजदूर संघ जिला रायपुर, सूरज देवांगन मंडल सचिव, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, रायपुर, आर. के. साहू मंडल अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, प्रोम्पी सिंह मंडल सचिव, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, बिलासपुर, ध्रुव शर्मा, मंडल सचिव, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, नागपुर । इस अभ्यास वर्ग में बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडल के कुल 62 कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्रों में ट्रेड यूनियन की अवधारणा, उसकी शुरुआत एवं विस्तार, दंडात्मक एवं अपील नियम, बीआरएमएस का इतिहास, वित्तीय प्रबंधन, संगठनात्मक संरचना, नए श्रम संहिता तथा समसामयिक विषयों पर संज्ञानात्मक चर्चा की गई।कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं सक्रियता के साथ सहभागिता की। अभ्यास वर्ग को और अधिक प्रेरणादायी बनाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, छत्तीसगढ़ प्रांत के प्रांत संपर्क प्रमुख संजय दुबे ने बौद्धिक सत्र लिया। इस सत्र में उन्होंने पाँच संकल्पों का बोध कराया तथा पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब संबंधों की मजबूती एवं जिम्मेदार नागरिक आचरण के पालन हेतु सभी को प्रेरित किया। समापन अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने इस अभ्यास वर्ग को संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत उपयोगी एवं सफल बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया

भगवान के बाद चिकित्सक ही मरीजों को नई जिंदगी देने का करते हैं कार्य : कमिश्नर

▸ एमबीबीएस प्रथम बैच का दीक्षांत एवं ग्रेजुएशन सेरेमनी समारोह

नवभारत, शहडोल । शासकीय बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालय, शहडोल के एमबीबीएस प्रथम बैच का दीक्षांत एवं ग्रेजुएशन सेरेमनी समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता एवं डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. गिरीश बी. रामटेके ने पारपंरिक विधि विधान से माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

दीक्षांत समारोह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि मरीज चिकित्सको के पास बड़ी उम्मीदो के साथ आते है क्योंकि भगवान के बाद चिकित्सक ही मरीजो को नई जिंदगी देने का कार्य करते है। नव-उत्तीर्ण चिकित्सक ईमानदारी, संवेदनशीलता, सहनशीलता एवं सेवा भाव के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए एक नई पहचान स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। कमिश्नर ने विद्यार्थियों की वर्षों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए नव-उत्तीर्ण चिकित्सकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. गिरिश बी. रामटेके ने कहा कि एक सफल चिकित्सक बनने के लिए सिम्पैथी, कमिटमेंट एवं पेशेंट-सेंट्रिक अप्रोच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नवस्नातक डॉक्टरों को चिकित्सा सेवा में निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया। इस अवसर पर वर्ष 2019 बैच के कुल 100 नवस्नातक डॉक्टरों को एमबीबीएस उत्तीर्ण करने पर दीक्षांत सम्मान प्रदान किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी शैक्षणिक यात्रा की स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा डिग्री एवं प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नागेंद्र सिंह, डॉ. राजेश टेंभुर्निकर, डॉ. राजेश खरात, डॉ. मितेश सिन्हा, डॉ. विक्रांत कबीरपंथी, डॉ. अभिषेक गौर, डॉ. रुचि श्रीवास्तव सहित मेडिकल कॉलेज के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

बैठक | बीएमओ बुढार एवं ब्यौहारी के 15-15 दिन के वेतन काटने के निर्देश

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है प्राथमिकता :

नवभारत, शहडोल । जन सामान्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है इसके लिए बेहतर प्रबंधन एवं मानीटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी स्वास्थ्य केंद्रो में उपलब्ध संसाधनो तथा मानव संसाधन का बेहतर उपयोग करके इन लक्ष्यों की पूर्ति की जा सकती है। स्वास्थ्य केंद्रो में आने वाले मरीजो को स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो उनकी जांच, एक्स-रे तथा दवाईयो की उपलब्धता सुनिश्चित कराकर स्वास्थ्य सेवाओ को बेहतर बनाया जा सकता है। इस आशय के निर्देश आयुक्त शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता ने आयुक्त कार्यालय के अमरकंटक कक्ष में स्वास्थ्य विभाग की संभाग स्तरीय बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को दिए।

आयुक्त सुरभि गुप्ता ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना शासन की प्राथमिकता है इसके लिए गर्भवती माताओं का पंजीयन, समय पर जांच तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ाना होगा। क्रिटिकल एनिमिक, सीवियर एनिमिक, माताओ की पहचान कर पंजीयन तिथि के अनुसार प्रसव के लिए अनुमानित तिथि के 50 दिवस के पूर्व से गर्भवती माताओ की संघन मॉनीटरिंग की जाए। मातृ एवं शिशु मृत्यु के कारणो की ऑडिट कराई जाए, इसके माध्यम से जो कारण सामने आते है उनमें सुधार किया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अमले के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। आपने कहा कि शत-प्रतिशत बच्चो का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर ने अंधत्व निवाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कहा कि रोगियो की पहचान कर ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराया जाए। वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 10 फरवरी से संचालित होने वाले फाइलेरिया कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। राष्ट्रीय क्षय नियत्रंण कार्यक्रम के तहत स्क्रीनिंग का लक्ष्य प्राप्त करे तथा चिन्हित मरीजो को निक्षय मित्रो के माध्यम से नियमित दवाईयां लेने हेतु प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि कुपोषण से मुक्ति पाने के लिए पोषण पुर्नवास केंद्रो में उपलब्ध बेड्स के अनुसार चिन्हित बच्चों के भर्ती सुनिश्चित की जाए। बच्चो की माताओ को कुपोषित बच्चो के पोषण आहार एवं दवाओ के संबंध में काउसलिंग की जाए। सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग का कार्य नियमित रूप जारी रखा जाए तथा जो मरीज पॉजिटिव पाए जाते है उनका नियमित उपचार सुनिश्चित किया जाए। आपने कहा कि 108 एम्बुलेंस को मिले कॉल तथा उनके द्वारा अटेंट किये गए मरीजो की समीक्षा करते हुए सुनिश्चित किया जाए कि सभी मरीजो को सुविधा मिल सकें। बैठक में आयुष्मान कार्ड की प्रगति, पीव्हीजीटी समुदाय के लोगो के शेष आयुष्मान कार्ड बनाने, एसएनसीयू में हाई रिस्क बच्चो की प्रभावी मॉनीटरिंग करने के भी निर्देश अधिकारियो को दिए गए। कमिश्नर ने बीएमओ बुढार एवं ब्यौहारी के 15-15 दिन के वेतन काटने के दिए भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शहडोल को निर्देश दिए। बैठक में शहडोल संभाग के तीनो जिलो के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, बीएमओ, विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमो के प्रभारी चिकित्सक तथा स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला- सतना (म.प्र.)
क्रमांक/प्रवा./अपर कले./25 सतना दिनांक 23/12/2025
// सार्वजनिक सूचना //
विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 6 के तहत
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उदित केशरवानी पिता श्री कामता प्रसाद केशरवानी, उम्र 22 वर्ष (01/06/2003) स्थिति- अविवाहित व्यवसाय-दुकानदारी स्थायी निवासी-सीताराम पेट्रोल पम्प के पीछे, गली नं.03 सतना, थाना कोलगवां तह.रघुराजनगर जिला सतना म.प्र. पिन कोड-485001 एवं आवेदिका वैष्णवी गुप्ता पुत्री श्री गया प्रसाद गुप्ता (अविवाहित), उम्र-19 वर्ष (15/06/2006) स्थिति-अविवाहित व्यवसाय-गृहणी स्थायी निवासी-ग्राम-रमपुरवा वार्ड नं.10 समान, थाना बाणसागर, तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.) पिन कोड-484774 के द्वारा समक्ष में उपस्थित होकर विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के अंतर्गत विशेष विवाह अनुष्ठापन हेतु आवेदन दिनांक 22/12/2025 को प्रस्तुत किया गया है।
उक्त प्रस्तावित विवाह अनुष्ठापन के विरुद्ध यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति लिखित रूप में इस न्यायालय में दिनांक 23/02/2026 को या इसके पूर्व न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। अवधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।
अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला-सतना (म.प्र.)